प्रदेश विश्वविद्यालय
समरहिल, शिमला–5
बोर्ड ऑफ स्ट्डीज़
डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पीठ

पाठ्यक्रम (Syllabus)

डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि पत्र
(Post Graduate Diploma in Dr. Shyama Prasad Mukharjee Studies)

पाठ्यक्रम के मूल उद्देश्य

डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने स्वेच्छा से आजादी की अलख जगाने के उद्देश्य से राजनीति में प्रवेश किया। ये सच्चे अर्थों में मानवता के उपासक और सिद्धांतवादी रहे। राष्ट्रवाद के प्रति आकर्षित होते हुए प्रगतिशील गठबंधन का निर्माण किया। इन्होंने अपने जीवन का एक–एक पल लोक कल्याण के लिए जीया। अतः महान् स्वतन्त्रता सेनानी के जीवन दर्शन और विचारों को जन–जन तक पहुँचाना अपेक्षित है। इस उद्देश्य से डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पीठ अपने विभाग में "डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि पत्र" (Post Graduation Diploma in Dr. Shyama Prasad Mukharjee Studies) पाठ्क्रम पहले ही स्वीकृत हो चुका है, परन्तु उक्त पाठ्यक्रम अद्यतन किया जा रहा है। प्रस्तुत पाठ्यक्रम Choice-Based Credit System(CBCS) For the Post-Graduate(PG) Classes के अनुसार परिवर्तन हेतु प्रस्तावित है।

(भाग क)

पाठ्यक्रम का दृष्टिकोण व कालावधि

- यह पाठ्यक्रम 1 वर्ष का होगा। इसमें 2 सेमेस्टर होंगे। पहले सत्र में तीन और दूसरे सत्र में दो पेपर होंगे। पांचवां पेपर लघु परियोजना कार्य से सम्बंधित रहेगा। पूरे पाठ्यक्रम में 5 पेपर निर्धारित किए गए हैं।

- **पाठ्यक्रम के लिए पात्रता**

- छात्र का किसी भी संकाय में स्नातक होना अपेक्षित है। स्नातक स्तर की डिग्री मान्यता प्राप्त किसी महाविद्यालय/संस्कृत महाविद्यालय/विश्वविद्यालय से होना अपेक्षित है। इसके लिए स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त छात्र भी पात्र होंगे।
  छात्रों का चयन मैरिट के आधार पर किया जाएगा। छात्र ऑनलाईन इस पाठ्यक्रम के लिए अपना आवेदन कर सकेंगे।

क्रेडिट

पाठय्क्रम में निर्धारित प्रत्येक पत्र 6 क्रेडिट का होगा। प्रत्येक पत्र में छात्र को परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए 40 प्रतिशत अंक अर्जित करना अनिवार्य होगा। चतुर्थ पत्र लघु परियोजना कार्य में उत्तीर्ण हेतु परियोजना कार्य और मौखिक परीक्षा में अलग–अलग स्तर पर 50 प्रतिशत अंक अर्जित करना अनिवार्य है।

- जिस परीक्षार्थी के अंक 75 प्रतिशत या इससे अधिक होंगे, उसे विशिष्टता के साथ उत्तीर्ण माना जाएगा।

- जिस परीक्षार्थी के अंक 60 प्रतिशत तथा 75 प्रतिशत से कम होंगे, उसे प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण माना जाएगा।
- जिस परीक्षार्थी के अंक 50 प्रतिशत तथा 60 प्रतिशत से कम होंगे, उसे द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण माना जाएगा।
- जिस परीक्षार्थी के अंक 45 प्रतिशत तथा 50 प्रतिशत से कम होंगे, उसे तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण माना जाएगा।

उत्तीर्ण होने के लिए हर पेपर में 40 प्रतिशत अंक अर्जित करना अनिवार्य है, लेकिन पूरी परीक्षा में पूर्ण योग 45 प्रतिशत होना अनिवार्य है।

उपस्थिति

छात्रों को पाठ्यक्रम के गम्भीर पक्षों को समझने के लिए निर्धारित समय सारिणी के अनुसार व्याख्यान में अपनी उपस्थिति दर्ज करनी होगी, जिसमें 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य है।

परीक्षा एवं अंक

प्रत्येक पत्र 100 अंक का निर्धारित होगा। इसमें अंकों का बँटवारा निम्न रुप से किया जाएगा :–

1. Attendance = 05 अंक
2. Assignments/presentation = 15 अंक
3. Term End Examination = 80 अंक

कुल = 100अंक

संकाय (Faculty)

यह पाठ्यक्रम बहु–विषयक प्रकृति का है। इसलिए पाठ्यक्रम शिक्षण के लिए विविध विषय क्षेत्रों से अतिथि अध्यापक आमंत्रित किए जाने अपेक्षित हैं।

डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि के लिए पेपरों की योजना विधि :–

पहला सेमेस्टर(सत्र)				
क्र॰ सं॰	कोर्स संख्या	पेपर का नाम	अधिकतम अंक	न्यूनतम उत्तीर्ण अंक
1.	पेपर–I	डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी : जीवन दर्शन एवं कार्य क्षेत्र	100	40
2.	पेपर–II	डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का शैक्षणिक चिन्तन	100	40
3.	पेपर–III	डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारतीय राजनीति	100	40
दूसरा सेमेस्टर(सत्र)				
4.	पेपर–IV	डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अन्य राजनीतिक चिंतक	100	40
5.	पेपर–V	लघु परियोजना कार्य	100	50

डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी अध्ययन में स्नातकोत्तर उपाधि पत्र के लिए कुल अंक 500 निर्धारित हैं तथा उत्तीर्ण होने के लिए 225(Two Hundred Twenty Five) जो कि कुल अंक का 45 प्रतिशत होगा।

पहला सेमेस्टर (सत्र)

प्रथम पत्र

डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी : जीवन दर्शन एवं कार्य क्षेत्र

Course code: Mukharjee Peeth 101

Paper: 1
Total Marks: 100(80+20)
Time: 3 Hours.

Credit: 6

इकाई–1

i) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी : जीवन परिचय एवं शिक्षा–दीक्षा
ii) प्रारंभिक जीवन एवं प्रेरक प्रसंग
iii) जीवन की प्रमुख घटनाएं

इकाई–2

i) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी : अध्ययन एवं अध्यापन
ii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन दर्शन : सामाजिक पक्ष
iii) हिन्दू सनातन धर्म की अवधारणा

इकाई–3

i) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी का दर्शन : ईश्वर, आत्मा और पुर्नजन्म
ii) पुरूषार्थ चतुष्ट्य और वर्णाश्रम व्यवस्था
iii) भारतीय चिन्तन परंपरा में मानवतावाद

इकाई–4

i) धर्म और राष्ट्रीयता एवं अर्न्तराष्ट्रीयता
ii) स्वतन्त्रता संग्राम में योगदान
iii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और समकालीन स्वतन्त्रता सेनानी

इकाई–5

i) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और विविध राजनीतिक दल
ii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी की भारतीय अध्यात्मवाद की अवधारणा
iii) भारतीय समाज का विकास और मानवतावाद, राष्ट्रीयता और स्वदेशी चेतना

द्वितीय पत्र

Paper: II डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का शैक्षणिक चिन्तन

Course code: Mukharjee Peeth

Paper 102
Total Marks: 100(80+20)
Time: 3 Hours.

Credit: 6

इकाई–1

i) भारत में शैक्षणिक चिन्तन का विकास

ii) गुरुकुल शिक्षा पद्धति, महाभारत और रामायण

iii) उपनिषद, आचार्य और विद्यार्थी, कौटिल्य और उनका शैक्षणिक चिन्तन

इकाई–2

i) भारत में शिक्षा और अंग्रेजी शासन

ii) भारतीय भाषाएं और अंग्रेजी शिक्षा

iii) अंग्रेजी शिक्षा पद्धति और आचार्य धर्मपाल, भारतीय मानस चित्त और शिक्षा

इकाई–3

i) डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी शिक्षाविद की भूमिका में

ii) डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी : विश्वविद्यालय परिषद के सदस्य एवं कुलपति

iii) विद्यार्थी और अनुशासन

इकाई–4

i) भारत में शिक्षा और राष्ट्रीय एकता

ii) शिक्षा और मानव मूल्य

iii) शिक्षा तथा कौशल विकास

इकाई–5

i) डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का शैक्षणिक चिन्तन

ii) शिक्षा एवं शिक्षण पद्धति

iii) शिक्षा सर्वधर्म समभाव तथा राष्ट्रीय स्वाभिमान

तृतीय पत्र

Paper: III डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और भारतीय राजनीति

Course code: Mukharjee Peeth

Paper 103
Total Marks: 100(80+20)
Time: 3 Hours.

Credit: 6

इकाई–1

i) साम्प्रदायिकता की अवधारणा, भारतीय समाज और साम्प्रदायिक विभाजन
ii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी का राजनैतिक चिंतन और प्रगतिशील गठबंधन
iii) विकास की राजनीति में भाषा, संस्कृति और विरासत की भूमिका

इकाई–2

i) संविधान और लोकतंत्र
ii) डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और मुस्लिम लीग
iii) साम्प्रदायिक विभाजन और नेहरू मंत्रीमण्डल

इकाई–3

i) स्थानीय स्वशासन
ii) चुनाव
iii) पारस्परिक सहयोग

इकाई–4

i) अखंड भारत की अवधारणा और भारत विभाजन
ii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अंतरिम सरकार
iii) राष्ट्रीय हित की प्रतिबद्धता और डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी

इकाई–5

i) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और हिन्दू महासभा
ii) भारतीय जनसंघ की स्थापना
iii) राष्ट्र की संकल्पना और भारत में राष्ट्र चिन्तन का विकास, राष्ट्र निर्माण और भारतीय संविधान

दूसरा सेमेस्टर(सत्र)
चतुर्थ पत्र

Paper :IV डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अन्य राजनीतिक चिंतक

Course code : Mukharjee Peeth : Paper 104

Total Marks: 100(80+20)
Time: 3 Hours.

Credit : 6

इकाई–1

i) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और महात्मा गाँधी : तुलनात्मक विवेचन।

ii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और डॉ• भीमराव अंबेदकर : तुलनात्मक विवेचन।

iii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और सरसंघ चालक श्री माधव सदाशिव गोलवलकर गुरू जी : तुलनात्मक विवेचन।

इकाई–2

i) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और विनायक दामोदर सावरकर : तुलनात्मक विवेचन।

ii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय : तुलनात्मक विवेचन।

iii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और नेता जी सुभाष चन्द्र बोस : तुलनात्मक विवेचन।

इकाई–3

i) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित जवाहर लाल नेहरू : तुलनात्मक विवेचन।

ii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और सरदार वल्लभ भाई पटेल : तुलनात्मक विवेचन।

iii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी : तुलनात्मक विवेचन।

इकाई–4

i) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दत्तोपंत ठेंगड़ी : तुलनात्मक विवेचन।

ii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और नानाजी देशमुख : तुलनात्मक विवेचन।

iii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और डॉ. राममनोहर लोहिया : तुलनात्मक विवेचन।

इकाई–5

i) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और महामना मदन मोहन मालवीय :तुलनात्मक विवेचन।

ii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और धर्मसम्राट करपात्री :तुलनात्मक विवेचन।

iii) डॉ• श्यामा प्रसाद मुखर्जी और हो.वे शेषाद्रि : तुलनात्मक विवेचन।

पंचम पत्र

Paper : V लघु परियोजना कार्य

Course code : Mukharjee Peeth Paper 105
Total Marks: 100(80+20)

Credit : 6

लघु परियोजना कार्य का विषय डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चिंतन, दर्शन और विविध कार्यों से सम्बंधित रहेगा। यह लघु परियोजना कार्य लगभग 50 टंकित पृष्ठों में समाहित किया जाना अपेक्षित रहेगा। डॉ॰ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पीठ से सम्बंधित स्नातकोत्तर उपाधि पत्र हेतु पंचम पत्र की परीक्षा की रुपरेखा में 80 अंक परियोजना कार्य के मूल्याँकन तथा 20 अंक मौखिक परीक्षा के रहेंगे। मौखिक परीक्षा में बाह्य और आंतरिक दोनों परीक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। परीक्षार्थी के लिए परियोजना कार्य और मौखिक परीक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक उत्तीर्ण हेतु अनिवार्य रुप में अर्जित करने होंगे। ये अंक लिखित परीक्षा और मौखिक परीक्षा दोनों में अलग–अलग स्तर पर अर्जित करने अनिवार्य हैं।लघु परियोजना कार्य के लिए निदेशक अंतर्विषयक/अंतर्विद्यात्मक/ सम्बंधित कार्य क्षेत्र से होगा।